• उपलब्धि...

एचआरटीसी शिमला ग्रामीण डिपो अव्वल

शिमला : घाटे से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश परिवहन निगम ने डिपुओं में कमाई के लिए पिछले महीने टारगेट तय किए थे। अब इन टारगेट की समीक्षा हो रही है। एचआरटीसी के फील्ड डिपो को अपना राजस्व बढ़ाने और घाटा कम करने के लिए यह लक्ष्य दिए गए हैं। यह प्रयोग एचआरटीसी के एमडी रोहन चंद ठाकुर ने किया है। पथ परिवहन निगम ने अपने डिपुओं की अप्रैल माह की दैनिक आय का लक्ष्य रखा था। इसके लिए अप्रैल में जो डिपो के क्षेत्रीय प्रबंधकर्ता आगे रहे हैं, उनकी सूची निगम के प्रबंध निदेशक ने जारी की है। इस सूची में शिमला ग्रामीण डिपो के क्षेत्रीय प्रबंधकर्ता अंकुर वर्मा एक माह में 28 टारगेट को हासिल कर पहले स्थान पर रहे। इसके बाद धर्मशाला के साहिल कपूर ने 26 टारगेट कर दूसरा स्थान पाया है। वहीं बैजनाथ के आरएम नितेश शर्मा ने 22 टारगेट पूरा कर के तीसरे स्थान हासिल किया।

इसके अलावा हमीरपुर, तारादेवी और रिकांगपिओ के आरएम ने 21 टारगेट पूरे किए। इसी लिस्ट में करसोग के आरएम ने 20, रोहडू 19, पालमपुर 15, देहरा 14, जोगिंदरनगर, पठानकोट, धर्मपुर, मंडी के आरएम ने 13 टारगेट, नालागढ़, ऊना ने 12, चंबा, नगरोटा बगवां ने 11, तारादेवी ने 10, बिलासपुर, नाहन ने 9, केलांग ने 7, सरकाघाट 5, शिमला लोकल 3, परवाणू 2, रामपूर 2, सुंदरनगर ने 1 ही टारगेट हासिल किया। कुल्लू और सोलन कोई टारगेट हासिल नहीं कर पाए। वहीं निगम के डिवीजनल प्रबंधक ने भी दैनिक आय के टारगेट हासिल किए हैं। इसमें धर्मशाला के पंकज चड्ढा ने 15 टारगेट पूरे किए। हमीरपुर के अवतार सिंह ने 14, शिमला के पवन कुमार ने 5, मंडी के विनोद कुमार ने 2 टारगेट पूरे कर दैनिक आय का लक्ष्य पूरा किया है। नई बात यह है कि इलेक्शन ड्यूटी पर गए रोहन चंद ठाकुर अभी हिमाचल से बाहर हैं, लेकिन इन टारगेट्स की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

• आरोप...

कांग्रेस ने किसानों और बाग़बानों के साथ छल किया...

कोटखाई : नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि आने वाले पांच साल भारत के विकास के लिए बेहद अहम हैं। नरेन्द्र मोदी का तीसरा कार्यकाल भारत की ऐतिहासिक बुलंदी का कार्यकाल होगा। मोदी के दो कार्यकाल तो विकास की एक झलक भर हैं। आगामी पांच साल का ब्लूप्रिंट तैयार है। जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगी। जिस तरह से प्रधानमंत्री काम कर रहे हैं, जनहित की योजनाओं को जिस तरह से लागू किया है। आज देश के लोग सोचते हैं कि नरेन्द्र मोदी जैसा नेता हमें तीस साल पहले क्यों नहीं मिला। यह पहली बार हुआ कि जब हर कार्यकाल के बाद नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीयता बढ़ती जा रही है। जयराम ठाकुर ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने सेब पर इंपोर्ट ड्यूटी पचास फीसदी की। इसके बाद भी पचास रुपये न्यूनतम मूल्य निर्धारित किया। जिससे हिमाचल के बागवानों को बहुत बड़ी राहत मिली। कांग्रेस की सरकार ने बागवानो को ठगने का काम किया है।

बागवानों को सेब के दाम तय करने की गारंटी दी लेकिन सेब बेचना भी मुश्किल हो गया है।
नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के पीएम बनेंगे यह सिर्फ देश ही नहीं दुनिया के लोगों को भी यक़ीन है। तभी आज चुनाव के परिणाम आने के पहले ही दुनिया भर के नेताओं ने पीएम नरेन्द्र मोदी को अपने देशों में आमंत्रित किया है। देश विदेश में यह ख्याति नरेन्द्र मोदी के कामों की वजह से हैं। 25 करोड़ से ज़्यादा लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालना हो या 80 करोड़ से ज़्यादा लोगों को राजन मिल रहा है। 70 साल से ज़्यादा उम्र की लोगों को बिना किसी शर्त के आयुष्मान का लाभ देने की गारंटी दी है। राममंदिर का शिलान्यास और प्राण प्रतिष्ठा हमने अपने आंखों से इसी कार्यकाल के दौरान देखीं। कश्मीर बिना आर्टिकल 370 के एक निशान और एक प्रधान के साथ प्रगति की नई कहानी लिख रहा है। ट्रिपल तलाक़ को समाप्त किया, चार करोड़ आवास, पचास करोड़ से ज़्यादा को आयुष्मान के तहत इलाज की गारंटी नरेन्द्र मोदी ने दी है। आगे भी कई बड़े लक्ष्य निर्धारित किए हैं जिसके पूर्व होने का जनता को पूर्ण विश्वास है।

कंगना की स्क्रिप्ट बीजेपी की, डॉयरेक्शन जयराम का

● संजू/करसोग

सीएम सुखविंदर सिंह सूक्खू ने मंडी जिला के करसोग में लोकसभा उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह के लिए चुनाव प्रचार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस फिल्म का डायरेक्टर ही फ्लॉप हीरोइन कितनी भी सुपरस्टार हो, उस फिल्म का फ्लॉप होना तय है। क्योंकि, कंगना रनौत की स्क्रिप्ट भाजपा की है और डायरेक्शन जयराम ठाकुर का पर स्टोरी पिटी हुई है। कंगना मेहनत कर सुपर स्टार बनी हैं, अच्छी बात है लेकिन आपदा में उन्होंने हिमाचल प्रदेश का कोई सहयोग नहीं किया। आमिर खान ने 25 लाख रुपये चुपचाप दिए और कंगना प्रदेश सरकार का अकॉउंट ही ढूंढती रहीं।

सीएम सुखविंदर सिंह ने कहा कि जयराम ठाकुर ने विक्रमादित्य सिंह से अपना पिंड छुड़ाने के लिए कंगना को टिकट दिलाई है। उन्हें पता था कि विक्रमादित्य सिंह चुनाव लड़ रहे हैं और वह जीत भी जाएंगे इसलिए किसी और को लड़ा दो। विक्रमादित्य सिंह अच्छे व्यक्ति हैं, जनता का दर्द व पीड़ा जानते हैं, आपके बीच रहते हैं। आपका के समय पीडब्ल्यूडी मंत्री के नाते इन्होंने अभूतपूर्व कार्य किया है। जयराम ठाकुर तो मुख्यमंत्री बनकर पांच साल सोए ही रहे। जब वोट के जरिये जनता ने उन्हें नकार दिया तो नोटों के दम पर सत्ता हथियाने में लगे हुए हैं। कांग्रेस सरकार के दूसरे बजट सत्र के दौरान कांग्रेस के छह विधायकों को खरीद लिया। हेलीकॉप्टर में एक महीने तक चंडीगढ़, पंचकूला, गुरुग्राम और दिल्ली घुमाते रहे। जयराम ठाकुर को कुर्सी की इतनी भूख सता रही थी कि मुख्यमंत्री बनने के लिए काला कोट पहनकर बैठ गए थे और यह सोच लिया था कि सरकार का बजट पास होने से पहले ही सुबह सात बजे शपथ भी ले लेंगे, लेकिन जिस भगवान को चुनौती देते हुए वह कह रहे थे कि यह सरकार नहीं बचती उसी भगवान के आशीर्वाद से हमारी सरकार बची हुई है। कांग्रेस सरकार पूरे पांच साल जनहित में काम करेगी। जिन विधायकों को भाजपा ने खरीदा है, उन्होंने भी काले कोट सिला लिए थे, लेकिन वह नहीं जानते थे कि विधानसभा अध्यक्ष लॉ ग्रेजुएट हैं और कानूनी बारीकियों को अच्छी तरह जानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नोट के दम पर सरकार हथियाने की कोशिश करने वालों को 1 जून को करसोग की जनता अपने वोट से सबक सिखाये। भाजपा ने कांग्रेस की एक राज्यसभा सीट चुराई है, प्रदेश की जनता 4 लोकसभा और 6 विधानसभा सीटें कांग्रेस को जिताकर उन्हें जवाब देगी। यह ल?ई मेरी, विक्रमादित्य सिंह या विधानसभा अध्यक्ष की नहीं, आम जनता की है। नोट के दम पर अगर आपका वोट खरीदने की चेष्टा की जाएगी तो न लोकतंत्र बचेगा न लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ने वाले, इसलिए जिस कांग्रेस ने जनता को वोट की सबसे बड़ी ताकत है, उससे विक्रमादित्य सिंह को जिताएं।

सीएम सुखविंदर सिंह ने कहा कि जयराम ठाकुर ने विक्रमादित्य सिंह से अपना पिंड छुड़ाने के लिए कंगना को टिकट दिलाई है। उन्हें पता था कि विक्रमादित्य सिंह चुनाव लड़ रहे हैं और वह जीत भी जाएंगे इसलिए किसी और को लड़ा दो।

विक्रमादित्य सिंह अच्छे व्यक्ति हैं, जनता का दर्द व पीड़ा जानते हैं, आपके बीच रहते हैं। आपका के समय पीडब्ल्यूडी मंत्री के नाते इन्होंने अभूतपूर्व कार्य किया है...

धौलाकुआं में प्रदर्शन

नाहन : जिला सिरमौर के धौलाकुआं में निर्माणाधीन आईआईएम परिसर के गेट पर दो दर्जन से अधिक व्यापारियों ने दर्शन किया। इस दौरान नारेबाजी भी हुई। मामला इतना गरमा गया कि माजरा पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। प्रदर्शन में शामिल व्यापारियों और वेंडरों में सुमित गुप्ता, सुभाष, अमित गोयल और विशाल कपूर आदि ने बताया आईआईएम के भवन के निर्माण में जुटी कमल आदित्य कंस्ट्रक्शन ने करोड़ों का गोलमाल किया है।

उन्होंने बताया कि कंपनी व्यापारियों से 5 करोड़ से अधिक की निर्माण सामग्री लेकर भवन निर्माण में लगा चुकी है, लेकिन पिछले छह महीने से भुगतान के नाम पर टालमटोल कर रही है। जब व्यापारियों ने सीपीडब्ल्यूडी और आईआईएम सिरमौर प्रबंधन के अधिकारियों से बात की तो पता चला कि कंस्ट्रक्शन कंपनी को पहले ही भुगतान किया जा चुका है। इस पर गुस्साए व्यापारियों ने एकजुट हो संस्थान के गेट पर जोरदार नारेबाजी की।

• स्कॉलरशिप घोटाला...

सरकारी स्कूलों को राहत

शिमला : 250 करोड़ रुपए के स्कॉलरशिप घोटाले की जांच कर रही सीबीआई ने प्रदेश के 2506 सरकारी स्कूलों को क्लीन चिट दे दी है। सीबीआई की ओर से प्रदेश हाईकोर्ट को यह जानकारी स्टेट्स रिपोर्ट के माध्यम से देते हुए कहा गया है कि उच्च शिक्षा निदेशालय के पास स्कॉलरशिप योजना के तहत शिक्षण कार्य से जुड़ी 2772 संस्थाएं पंजीकृत है। इनमें से 2506 संस्थाएं सरकारी हैं जिनमें स्कॉलरशिप घोटाले अथवा ऐसे अपराध की कोई गुंजाइश नहीं है। स्टेट्स रिपोर्ट के माध्यम से बताया गया कि बाकि बची 266 निजी संस्थाओं में से सीबीआई ने केवल 28 संस्थाओं की जांच की। इन 28 संस्थानों ने कुल स्कॉलरशिप के 90 फीसदी हिस्सा का दावा किया था जो 95 लाख से लेकर 39 करोड़ रूपए तक का सामने आया है। जांच के दौरान 20 निजी संस्थान घोटाले में संलिप्त पाए गए, जबकि 8 निजी संस्थानों को भी क्लीन चिट दे दी गई है। मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव और न्यायाधीश ज्योत्सना रिवाल दुआ की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के पश्चात सीबीआई को अन्य बचे हुए निजी संस्थानों की जांच करने की संभावनाएं तलाशने के आदेश दिए. कोर्ट ने इस बाबत 27 सितम्बर तक इस बाबत स्टेट्स रिपोर्ट दायर करने के आदेश भी दिए. कोर्ट ने प्रार्थी श्याम लाल द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करने के पश्चात उपरोक्त आदेश पारित किए।

• खाई में गिरी बस...

बिलासपुर : बिलासपुर के जुखाला के घयाना पुल के पास तेज रफ्तार ट्रक ने एचआरटीसी की बस को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बस पुल से नीचे गिरकर पलट गई। बस में 25 लोग सवार थे। इनमें से 10 यात्री घायल हो गए। तीन की हालत ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए एम्स बिलासपुर ले जाया गया है। जहां पर उनका उपचार चल रहा। वहीं पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है और आगामी कार्रवाई जारी है।